35

बच्चों की किताबों में चित्र

बच्चों की किताबों में चित्रों का एक महत्वपूर्ण स्थान होता है। बच्चों का शब्दों से परिचय बहुत जल्दी नहीं हो पाता बल्कि जो उन्हें कहानी या कविता पढ़ते समय दिखता है उससे वे ज़्यादा जल्दी अपना रिश्ता जोड़ पाते हैं। किताबों में चित्रों की उपस्थिति से कविता या कहानी किसी भाषा-विशेष की गुलाम नहीं रह जाती।

यह ज़रूरी है कि बच्चों की किताबों का चित्रांकन ऊँचे दर्ज़े का हो। अच्छी चित्रकारी के लिए सिर्फ प्रशिक्षण ही महत्वपूर्ण नहीं होता बल्कि चित्रकार को बच्चे को कम न आँकते हुए विवेकपूर्ण तरीके से चित्र बनाना चाहिए।

इन्हीं सब मुद्दों से सम्बन्धित अपने अनुभवों व विचारों को व्यक्त किया है सोनाली बिस्वास ने इस लेख में।

पृथ्वी का द्रव्यमान मापने वाला व्यक्ति

भार और द्रव्यमान दो बिलकुल अलग अवधारणाएँ हैं, यह बात किसी के भी ज़हन में आसानी से नहीं उतरती। वैज्ञानिक भी अक्सर बोलते या लिखते वक्त चूक कर जाते हैं और ऐसी भाषा का इस्तेमाल करते हैं जिससे प्रतीत होता है कि दोनों एक ही हैं। इन दोनों अवधारणाओं में फर्क को बहुत खूबसूरती से अपने लेख में उभारा है आइज़ेक एसीमोव ने।

उसके बाद सबसे पहली बार पृथ्वी का द्रव्यमान निश्चित करने के लिए हैनरी कैवेंडिश ने जो तरीका अपनाया उसका विस्तृत वर्णन है। और अन्त में वे इस सवाल पर गौर करते हैं कि यह तो हुआ पृथ्वी का द्रव्यमान, परन्तु दरअसल, उसका वज़न कितना है?

57

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-6, (मूल अंक-63) मार्च-जून 2009

इस अंक में

7 **सीखने वाला अध्यापक**
एलेक्स एम. जॉर्ज

15 **पूर्ण सूर्य ग्रहण 22 जुलाई 2009**
आमोद कारखानिस

23 **ग्रहण दर ग्रहण समझ पुख्ता होती गई**
माधव केलकर

35 **बच्चों की किताबों में चित्र**
सोनाली बिस्वास

41 **नकलची पौधे**
किशोर पंवार

51 **जैसी माँ वैसी बेटी**
पूर्णिमा सिन्हा व सुपूर्णा सिन्हा

57 **पृथ्वी का द्रव्यमान मापने वाला व्यक्ति**
आइज़ेक एसीमोव

73 **मेरी अपनी दुनिया**
विष्णु चिंचालकर

82 **एक उत्साही शिक्षिका की डायरी**
अरविन्द गुप्ता

87 **चिट्ठी**
प्रेमकुमार मणि